सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीति अपार्टमेंट आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा:-8 | **विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक** | **पाठ:4 फुटबॉल की नई सुबह**

बोलकर (मौखिक)

(क) भारत ने इस टूर्नामेंट में तीन मैचों में 15 गोल किए।

(ख) भारत का फाइनल मुकाबला बांग्लादेश के साथ हुआ।

(ग) फाइनल में भारत की ओर से पहला गोल मैच की शुरुआत में ही कप्तान शामी के द्वारा किया गया।

(घ) पेनल्टी शूटआउट में भारत की जीत का श्रेय भारत के गोलकीपर सूरज सिंह अहीबाम को जाता है, जिन्होंने दो पेनल्टी रोककर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

लिखकर (लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-)

(क) इस टूर्नामेंट में कुल छह देशों की टीमें शामिल हुई थीं, जो हैं- भारत, बांग्लादेश, नेपाल, श्री लंका, मालदीव, भूटान।

(ख) टीम के कप्तान सिंगामायुम शामी ने न केवल मध्य पंक्ति को नियंत्रण में रखा बल्कि फाइनल में एक निर्णायक फ्री किक गोल और पेनल्टी में निर्णायक गोल कर टीम को जीत दिलाई।

(ग) फाइनल मैच का स्कोर 4-3 रहा। पूरे टूर्नामेंट में भारत ने कुल 20 गोल किए और सिर्फ़ एक गोल खाया। मैच का निर्णय पेनल्टी गोल द्वारा हुआ।

(घ) पेनल्टी शूटआउट में भारत के गोलकीपर सूरज सिंह अहीबाम ने दो पेनल्टी रोककर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) यदि खिलाड़ी व्यक्तिगत खेल और उपलब्धि पर ध्यान देंगे तो वे कभी भी टीम में अपना सही योगदान नहीं दे पाएँगे। लेकिन जब वे टीम भावना से खेलेंगे, उनका मकसद व्यक्तिगत जीत न होकर सामूहिक जीत होगा तो वे अवश्य अपनी टीम को जिताने में सफल होंगे। भारत की टीम भी इसी टीम भावना के साथ खेली। उसमें हर खिलाड़ी, कप्तान, गोलकीपर सभी ने टीम भावना का परिचय दिया इसलिए वे मैच जीत सके।

(ख) खेलों में अनुशासन इसलिए जरूरी है क्योंकि यदि टीम के सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी चलाएँगे और अनुशासन में नहीं रहेंगे, तो एक तो उनकी टीम खेल से बाहर हो सकती है दूसरा खेल जीतने के लिए एकजुट होकर खेलना तथा अनुशासन में खेलना अत्यंत आवश्यक है। अनुशासन में रहकर ही कोई व्यक्ति अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकता है।

(ग) पेनल्टी शूटआउट के समय खिलाड़ियों की मानसिक स्थिति इस प्रकार रही होगी कि उनके ऊपर एक प्रकार का बोझ रहा होगा, एक तरह का दबाव रहा होगा कि यदि पेनल्टी का वे भरपूर फायदा नहीं उठा पाते हैं तो उनकी टीम को हार का मुँह देखना पड़ सकता है।

(घ) खेलों के जरिए जीवन में अनुशासन, मेहनत, टीम भावना एवं धैर्य आदि के गुण सीखे जा सकते हैं।

पठित गद्यांश

(क) पाठ फुटबॉल की नई सुबह। लेखक जयंत विष्णु नार्लीकर

(ख) भारतीय टीम के कोच बिबियानो फर्नांडीस ने खिलाड़ियों का मनोबल बनाए रखा

और हर मैच में सही रणनीति अपनाई।।

(ग) मिडफील्ड में अपनी चतुराई और गति से टीम की मदद 'मो. अर्बाज' ने की।

(घ) सर्वश्रेष्ठ का समानार्थी- 'सर्वोत्तम'